

विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा - ४

दिनांक -09- 10-2020

विषय -हिन्दी

विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज सी, सी, ए, के अन्तर्गत कविता के बारे में अध्ययन करेंगे।

क्या खूब लिखा है

आहिस्ता चल जिंदगी, अभी

कई कर्ज चुकाना बाकी है

कुछ दर्द मिटाना बाकी है

कुछ फर्ज निभाना बाकी है

रफ्तार में तेरे चलने से

कुछ रुठ गए कुछ छूट गए

रुठों को मनाना बाकी है

रोतों को हँसाना बाकी है

कुछ रिश्ते बनकर, टूट गए

कुछ जुड़ते-जुड़ते छूट गए

उन टूटे -छूटे रिश्तों के

जख्मों को मिटाना बाकी है

कुछ हसरतें अभी अधूरी हैं

कुछ काम भी और जरूरी हैं

जीवन की उलझा पहली को

पूरा सुलझाना बाकी है

जब साँसों को थम जाना है

फिर क्या खोना, क्या पाना है  
पर मन के जिद्दी बच्चे को  
यह बात बताना बाकी है  
आहिस्ता चल जिंदगी, अभी  
कई कर्ज चुकाना बाकी है  
कुछ दर्द मिटाना बाकी  
कुछ फर्ज निभाना बाकी हैं।  
आप सब भी कविता लिखकर भेजें जो आपको अच्छी लगती हो। चित्रों के साथ -